भावना – बुजुर्गों का परिवार

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति

वरिष्ठ नागरिकों तथा निर्बल एवं असहाय जनों के हितों को समर्पित अखिल भारतीय समाजसेवी महासमिति।
सोसायटीज़ रजिस्ट्रेशन ऐक्ट, 1860 के अन्तर्गत लखनऊ में पंजीकृत। पंजीयन संख्या : 662/2000–01

507, करामन्डा अपार्टमेन्ट्स, 2, पार्क रोड, हजरतगंज, लखनऊ – 226001, भारत
फोन: +91-522-4016048 वेबसाइट: www.bhavanaindia.org ई.मेल: bhavanasindia@gmail.com

भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति का तेइसवां वार्षिक महाधिवेशन– 05 मार्च, 2023

प्रमुख महासचिव का प्रतिवेदन (समिति की वार्षिक रिपोर्ट)

भावना के तेइसवें महाधिवेशन की अध्यक्षता कर रहे संस्थापक विशिष्ट सदस्य व राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री विनोद कुमार शुक्ल जी, मुख्य अतिथि मा0 विधान परिषद सदस्य लखनऊ स्नातक क्षेत्र उ0प्र0 श्री अवनीश कुमार सिंह, मंचासीन सम्मानित विशिष्ट अतिथिगण, सभागार में उपस्थित अन्य अतिथिगण, **भावना** की सदस्य संस्थाओं से उपस्थित सम्मानित प्रतिनिधिगण, विभिन्न मीडिया से उपस्थित पत्रकार बंधुओं, समिति के पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण तथा सभा में उपस्थित देवियों एवं सज्जनों। मैं **भावना** की प्रबंधकारिणी की ओर से एवं स्वयं अपनी ओर से भी इस महाधिवेशन में आप सभी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करता हूँ।

मान्यवर, भारत में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या देश की कुल जनसंख्या की आज 11 प्रतिशत (लगभग–12 करोड़) से अधिक हो चुकी है। चिकित्सा क्षेत्र में हुए नये–नये आविष्कारों के चलते एवं निजी स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूकता एवं सतर्कता के कारण भारत के नागरिकों की औसत उम्र में निरन्तर वृद्धि हो रही है। राष्ट्रीय जनसंख्या आयोग के अनुसार अनुमान है कि वर्ष 2050 तक देश में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या कुल जनसंख्या की लगभग 30 प्रतिशत (लगभग–33 करोड़) हो जायेगी। ऐसी परिस्थिति में शासन की जिम्मेदारी है कि वह वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं उनके सुचारू और सुरक्षित तथा आसान जीवन की व्यवस्था सुनिश्चित करे। अभी तक देश के वरिष्ठ नागरिकों ने अनुभव किया है कि केन्द्र एवं राज्य सरकारें उनके प्रति संवेदनशील नहीं है। अब वरिष्ठ नागरिकों ने संगठित होकर स्वयं हित की योजनायें बनाने तथा उनके समयबद्ध कार्यान्वयन हेतु सरकारों को बाध्य करने का संकल्प लिया है। देश भर में विभिन्न स्थानों पर वरिष्ठ नागरिकों की समितियों के गठन हुए हैं। इसी दृष्टि से **भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति (भावना)** की स्थापना भी वर्ष 2000 में हुई थी।

भावना का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों के हितलाभों को सुनिश्चित कराना तथा उनमें स्वावलम्बन, सहयोग, सहिष्णुता एवं सेवा की भावना बलवती करना है ताकि उनमें सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह हो एवं वे प्रसन्न, स्वस्थ एवं सार्थक जीवन सुचारू रूप से जी सकें। **भावना** ने अपने उद्देश्य में समाज के कमजोर वर्गों, यथा, निराश्रित महिलाओं, बेसहारा बच्चों, दिव्यांगजनों, निर्बल एवं असहायजनों के कल्याण सरीखे विषयों को भी सम्मिलित किया है और यही सर्वजन हितकारी कार्यक्रम **भावना** को वरिष्ठ नागरिकों की अन्य स्वैच्छिक संस्थाओं से भिन्न बनाते हैं। **भावना** समाज के निर्बल एवं असहाय वर्ग के कल्याण हेतु कार्यों को प्रधानता देती है जबकि अन्य वरिष्ठ नागरिक समितियां केवल वरिष्ठ नागरिकों के हित चिन्तन में ही लगी रहती है। **भावना** का प्रत्येक सदस्य स्वयं को समाज से जुड़ा महसूस करता है तथा यथासम्भव विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं में

अधिकाधिक सहयोग प्रदान कर प्रसन्नता महसूस करता है। इन्हीं विशेषताओं के कारण **भावना** उत्तर प्रदेश में ही नहीं अपितु पूरे भारत वर्ष में सक्रिय वरिष्ठ नागरिक समितियों में प्रमुख स्थान रखती है। **भावना** के आजीवन सदस्यों की संख्या 1050 से अधिक हो चुकी है एवं इस संख्या में निरन्तर वृद्धि हो रही है। वरिष्ठ नागरिकों का हित–चिन्तन करने वाली 17 अन्य स्वैच्छिक संस्थायें **भावना** की संस्थागत सदस्य हैं। इस प्रकार सभी को मिलाकर सदस्यों की संख्या लाखों में हो जाती है। **भावना** का मुख्यालय लखनऊ में है। इसकी शाखायें ओबरा (कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण सोनभद्र जनपद), उन्नाव (कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण उन्नाव जनपद), नोएड (कार्यक्षेत्र दिल्ली/नई दिल्ली सहित सम्पूर्ण राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) तथा यमुना एक्सप्रेस–वे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी टाउनशिप– येडा (कार्यक्षेत्र निर्माणाधीन **भावना ओल्ड एज होम** परिसर) में स्थापित एवं क्रियाशील हैं।

अपने उद्देश्यों की पूर्ति हेतु विभिन्न कार्यक्रमों को सुचारू रूप से कार्यान्वित करने हेतु **भावना** ने अधोवर्णित प्रकोष्ठों का गठन कर उनके दायित्वों का निर्धारण किया है। प्रत्येक प्रकोष्ठ अपने दायित्वों के अनुरूप योजनायें बनाकर उन्हें कार्यान्वित करता है। प्रत्येक प्रकोष्ठ में संयोजक सहित आवश्यकतानुसार ऐसे सदस्यों का मनोनयन किया गया है जिनकी सम्बन्धित कार्य/विषय में रूचि है।

1. वाह्य सम्पर्क प्रकोष्ठ, 2. शिक्षा सहायता प्रकोष्ठ, 3. ग्राम्यांचल एवं निर्धन–जन सेवा प्रकोष्ठ, 4. सहयोग एवं सेवा प्रकोष्ठ, 5. वैकल्पिक चिकित्सा प्रकोष्ठ, 6. प्रसादम् सेवा प्रकोष्ठ, 7. सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ, 8. महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ, 9. पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ, 10. संपादन प्रकोष्ठ, 11. संसाधन प्रबन्ध प्रकोष्ठ तथा 12. अनौपचारिक शिक्षण प्रकोष्ठ।

मान्यवर, विगत 13मार्च 2022 को सम्पन्न हुए समिति के बाइसवें महाधिवेशन के तत्काल बाद देश में कोरोना महामारी का प्रकोप प्रारम्भ हो गया था। इस महामारी से आम आदमी को सुरक्षित रखने के उद्देश्य से सरकार ने तमाम प्रतिबंध लागू किए थे जिनका सबसे अधिक प्रतिकूल प्रभाव वरिष्ठ नागरिकों पर पड़ा था।

अब मैं गत महाधिवेशन के बाद से अब तक समिति के विभिन्न प्रकोष्ठों के माध्यम से **भावना** द्वारा किए गये, किए जा रहे तथा भविष्य में किए जाने वाले नियोजित कार्यक्रमों/योजनाओं का संक्षिप्त विवरण आपके समक्ष क्रमवार प्रस्तुत कर रहा हूँ।

1. लोकतांत्रिक व्यवस्था में संख्या बल का विशेष महत्व होता है। इसलिए **भावना** ने अपनी सदस्य संख्या बढ़ाने के साथ–साथ वरिष्ठ नागरिकों एवं अन्य निर्धन व बेसहारा लोगों के लिए काम करने वाली कुछ स्वैच्छिक संस्थाओं को अपने साथ जोड़ने एवं कुछ अन्य स्वैच्छिक संस्थाओं से जुड़ने के कार्य को प्राथमिकता दी है। ऐसा करना इसलिए आवश्यक था ताकि केन्द्र एवं राज्य सरकारों से वरिष्ठ नागरिकों के अधिकार एवं सुविधायें प्राप्त करने हेतु मांगों में एकरूपता रहे। अपने इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु **भावना** ने कई राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ अंतरंग सम्बन्ध स्थापित किए हैं। जिनमें World U3A, U3A Asia Pacific Alliance, Help Age International, Help Age India, Help Your NGO, Guide Star India, All India Senior Citizen Confederation (AISCCON), Indian Society of Universities of Third Age (ISU3A), Senior Citizen Confederations of Delhi, Uttarakhand, Chandigarh, Nepal and Daman तथा अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद एवं वरिष्ठ नागरिक महासमिति, उत्तर प्रदेश प्रमुख है। **GuideStar India ने भावना की पारदर्शी कार्यशैली का सम्मान करते हुए हमें अपना Transparency Key नामक सम्मान प्रदान किया है।** भावना ने अबतक जिन 17 संस्थाओं को संस्थागत

सदस्यों के रूप में अपने साथ जोड़ा है, उनके नाम तथा अन्य विवरण आपको पंजीकरण के समय उपलब्ध कराए गए समिति द्वारा प्रकाशित अद्यतन सदस्यता सूची में उल्लिखित हैं।

2. **भावना** ने हेल्पेज इण्डिया सहित अन्य वरिष्ठ नागरिक समितियों के साथ मिलकर सम्मिलित प्रयास करके उत्तर प्रदेश सरकार से **माता पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण अधिनियम** को 28 अगस्त, 2012 को अंगीकृत कराया तथा तद्क्रम में हम 14 फरवरी, 2014 को **माता पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण एवं कल्याण नियमावली 2014** की अधिसूचना निर्गत कराने में सफल हुए। इस नियमावली में निहित प्राविधानों को लागू कराने हेतु **भावना** निरंतर प्रयत्नशील हैं। कुछ प्राविधान लागू हो भी चुके हैं परंतु जमीनी हकीकत नियमावली के प्राविधानों से मीलों दूर है।

हेल्पेज इण्डिया, वरिष्ठ नागरिक महासमिति उत्तर प्रदेश तथा भावना द्वारा अन्य समितियों के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश शासन द्वारा ''उत्तर प्रदेश राज्य वरिष्ठ नागरिक नीति'' 21 मार्च 2016 को निर्गत कराई गयी। भावना इस नीति के प्राविधानों का अनुपालन कराने हेतु सतत् प्रयास में लगी हुई है।

श्री असीम अरूण, मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), समाज कल्याण अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग, उ0प्र0 की अध्यक्षता में दिनांक 23.08.2022 को पहली राज्य परिषद (वरिष्ठ नागरिक), उ0प्र0 की बैठक सम्पन्न हुई।

मा0 मंत्री जी द्वारा वृद्धाश्रमों की समुन्नीत एवं वृद्धावस्था पेंशन के सम्बन्ध में श्रीमती अनामिका सिंह, जिला समाज कल्याण की अध्यक्षता में राज्य परिषद की दो उपसमितियाँ बनाए जाने का निर्णय लिया गया।

राज्य परिषद में भावना के दो सदस्यों ने निम्नलिखित भाग लिया तथा विभिन्न प्रस्ताव रखे–

1. डॉ0 अभिषेक शुक्ला
2. डॉ0 इन्दु सुभाष, संस्थापक

माता–पिता एवं वरिष्ठ नागरिक भरण पोषण एवं कल्याण नियमावली में वरिष्ठ नागरिक कल्याण निधि की स्थापना किये जाने का प्राविधान है, जिसमें 05 करोड़ की धनराशि अनुरक्षित की जानी है। मा0 मंत्री जी द्वारा सुसंगत प्रस्ताव शासन को प्रेषित किये जाने का निर्देश दिया गया।

भावना के 22वें अधिवेशन में पारित प्रस्तावों को लागू करवानने हेतु सम्बन्धित विभिन्न मंत्रालयों/विभागों को पत्र लिखे गये जिसमें से स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस सम्बन्ध में अपेक्षित व कृत कार्यवाही से भावना को अवगत कराया। यह एक बड़ी उपलब्धि इस वर्ष प्राप्त हुई है।

भावना द्वारा वर्ष 2007 में निर्धन तथा मेधावी छात्र/छात्राओं को आर्थिक सहायता देने का संकल्प लिया गया। इस योजना के अन्तर्गत प्रारम्भ में कक्षा 1 से कक्षा 8 तक के छात्र/छात्राओं को ही शिक्षा सहायता प्रदान की गयी। इस योजना में बाद के वर्षों में कक्षा 12 तक के छात्र/छात्राओं को भी सम्मिलित किया गया। योजना के उद्देश्य एवं सफलतापूर्वक क्रियान्वयन से प्रभावित होकर कुछ दानदाताओं द्वारा शिक्षा सहायता प्राप्त 4 मेधावी छात्र/छात्राओं को स्नातक शिक्षा हेतु प्रति शिक्षा सत्र रूपयो 6000.00 की सहायता राशि देने का संकल्प लिया गया। भावना के महासचिव एडवोकेसी श्री सतपाल सिंह जी की प्रेरणा से संहृदय दानदाता श्री आमोद कुमार जी ने निर्धन परन्तु अत्यन्त प्रतिभावन छात्रा नन्दिनी को शिक्षा सहायता हेतु गोद लिया तथा कक्षा 12 तक की पूरी

फीस, ड्रेस तथा कॉपी और किताबों के पूर्ण खर्चे का संकल्प लिया। इसके अतिरिक्त सहृदय दानदाताओं द्वारा कक्षा–12 में सर्वोत्कृष्ट तथा सर्वोत्तम अंक पाने वाले छात्र/छात्राओं को क्रमशः 21000.00 तथा 15000.00 रूपये तथा कक्षा 10 में सर्वोत्कृष्ट एवं सर्वोत्तम अंक पाने वाले छात्र/छात्राओं को क्रमशः 11,000/– तथा रूपये 10,000/– रूपये के विशेष पुरस्कार प्रदान करने का संकल्प लिया गया। तदोपरान्त भावना के सम्मानित सदस्य ब्रिगेडियर अशोक पाण्डेय द्वारा एक छात्र/छात्रा की प्रोफेशनल/टेक्निकल शिक्षा हेतु कोर्स की अवधि में प्रतिवर्ष दी जाने वाली पूरी फीस के भुगतान का संकल्प लिया। इस शिक्षा सत्र में एक और सहृदय दानदाता श्री अशोक कुमार अग्रवाल जी ने भी भावना से शिक्षा सहायता प्राप्त छात्र/छात्रा को प्रोफेशनल शिक्षा हेतु पूरे कोर्स की फीस देने का संलल्प लिया।

वर्तमान में इस योजना के अन्तर्गत कक्षा 1 से 8 तक के चयनित छात्र/छात्राओं को रूपये 1200.00 कक्षा 9 व 10 के छात्र/छात्राओं को रू० 1800.00 तथा 11 व 12 के छात्र/छात्रा को रू 2000.00 प्रति शिक्षा सत्र की सहायता धनराशि प्रदान की जा रही है। इस धनराशि का भुगतान स्कूलों के माध्यम से किया जाता है ताकि सहायता राशि का उपयोग छात्र/छात्रा की फीस में किया जा सके।

कोरोना काल के पूर्व के वर्षों में सामान्यतः 150 छात्र/छात्राओं को यह सहायता दी जा रही थी। कोरोना काल में स्कूलों के बन्द रहने के कारण तथा स्कूलों से विवरण प्राप्त न होने के कारण शिक्षा सत्र 2020–2021 में कक्षा 9,10,11 तथा 12 के 32 छात्रों का शिक्षा सहायता प्रदान की जा सकी तथा स्नातक की चार छात्राओं को रूपये 6000/– प्रति छात्रा कक्षा 12 के सर्वोत्कृष्ट एवं सर्वोत्तम छात्र/छात्राओं को क्रमशः 21,000/– तथा रू0 15000.00/– दिया जा सका। प्रोफेशनल शिक्षा हेतु बी0टेक0 एवं बी0एड0 की शिक्षा हेतु 28,500/– एवं 62000/– की सहायता प्रदान की गई। इस प्रकार वर्ष 2020–2021 के शिक्षा सत्र में कुल रू0 2,31000.00 की सहायता प्रदान की गयी।

कोरोना का प्रभाव कम होने पर कुछ विद्यालय खुले तथा वहां से छात्रों का विवरण प्राप्त हुआ जिससे वर्ष 2021–22 में कक्षा–1 से 8 तक के 25 छात्र/छात्राओं को 1200.00 प्रत्येक तथा कक्षा 9 व 10 के 23 छात्र/छात्राओं को 1800.00 प्रत्येक कक्षा 11 व 12 के 13 छात्र/छात्राओं को रू0 2000.00 प्रत्येक सुश्री ऑचल भारद्वाज एवं सुश्री अंगिरा भारद्वाज के द्वारा स्नातक शिक्षा की 4 छात्राओं को रू0 6000.00 प्रत्येक प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त कक्षा 12 में सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु स्वर्गीय कृष्ण दत्त पाण्डेय स्मृति पुरस्कार रू0 21,000.00 कक्षा 10 में सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु स्व0 कृष्ण दत्त पाण्डेय स्मृति पुरस्कार रू0 11,000.00/– तथा कक्षा 10 में सर्वोत्तम प्रदर्शन हेतु रू0 10,000.00 के विशिष्ट पुरस्कार दिये गये। इस प्रकार इस शिक्षा सत्र में 1,63,400.00 रूपये की शिक्षा सहायता प्रदान की गई।

शिक्षा सहायता योजना को गति प्रदान करते हुए वर्तमान शिक्षा सत्र 2022–23 में निम्नानुसार शिक्षा–सहायता प्रदान की जा रही है–

क्रमांक	विवरण	छात्र/ छात्राओं की सं0	सहायता प्रत्येक	कुल धनराशि
1.	कक्षा 1 से कक्षा 8 तक	104	1200.00	1,24,800.00
2.	कक्षा 9 से कक्षा 10 तक	15	1800.00	27000.00
3.	कक्षा 11 से कक्षा 12 तक	15	2000.00	30,000.00
4.	स्नातक शिक्षा सहायता सुश्री आँचल भारद्वाज द्वारा प्रदत्त	2	6000.00	12,000.00

5.	स्नातक शिक्षा सहायता सुश्री अंगिरा भारद्वाज द्वारा प्रदत्त	1	6000.00	6000.00
6.	महासचिव एडवोकेसी श्री सतपाल सिंह जी की प्रेरणा से श्री आमोद कुमार जी द्वारा कक्षा 9 की गोद ली गयी छात्रा	1	21380.00	21380.00
7.	श्री विपिन कुमार पाण्डेय द्वारा प्रायोजित स्वर्गीय डॉ0 कृष्ण दत्त पाण्डेय स्मृति पुरस्कार कक्षा 12 में सर्वोत्कृष्ट	1	21000.00	21000.00
8.	श्री विपिन कुमार पाण्डेय द्वारा प्रायोजित स्वर्गीय गायत्री देवी पाण्डेय स्मृति पुरस्कार कक्षा 10 में सर्वोत्कृष्ट	1	11000.00	11000.00
9	श्रीमती वीना तिवारी जी द्वारा प्रायोजित स्व0 रमेश चन्द्र तिवारी पुरस्कार कक्षा 12 में सर्वोत्तम	1	15000.00	15000.00
10	श्रीमती वीना तिवारी जी द्वारा प्रायोजित स्व0 रमेश चन्द्र तिवारी पुरस्कार कक्षा 10 में सर्वोत्तम	1	10000.00	10000.00
11	श्री अशोक कुमार अग्रवाल जी द्वारा सहायतित प्रोफेशनल शिक्षा बी0टेक0 में सहायता	1	8100.00	8100.00
	योग	143	—	359180.00

इस प्रकार वर्तमान शिक्षा सत्र में भावना के जिन सहृदय सहयोगियों से प्राप्त सहयोग के आधार पर उपरोक्त सहायता संभव हो सकी उनका बहुत बहुत आभार।

- **ग्राम्यांचल एवं निर्धनजन सेवा योजना** इस योजना के अन्तर्गत लखनऊ एवं निकटवर्ती जनपदों में प्रकोष्ठ के सदस्यों एवं प्रधान/जनप्रतिनिधियों द्वारा जरूरतमंद लोगों का चयन कर निर्धारित तिथि एवं स्थान पर नये ऊनी कम्बलों एवं पहनने योग्य पुराने वस्त्रों का वितरण किया जाता है।

कैम्प में एकत्रित ग्रामवासियों को भावना के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी विनोद कुमार शुक्ल जी द्वारा सरकार की विभिन्न लाभकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाती है। सरल हिन्दी में लिखी जानकारियों युक्त पुस्तिका का भी वितरण किया जाता है।

भावना द्वारा यह योजना 21 वर्षों से चलाई जा रही है। इस वर्ष भी 5 जनपदों के 6 विकास खण्डों की चयनित 10 ग्राम सभाओं में कैम्प आयोजित किये गये, जिनमें 788 नए ऊनी कम्बलों एवं कार्डिगनों का वितरण किया गया। जनपदवार आयोजित कैम्पों का विवरण निम्न प्रकार है–

1. प्रथम कैम्प जनपद लखनऊ के शारदा नगर के संत गाडगे जलाशय पार्क में दि0 26.11.2022 को आयोजित किया गया जिसमें 26 कम्बल तथा 35 विद्यार्थियों को ऊनी नये स्वेटर तथा टोपियाँ वितरित की गयी।

2. द्वितीय कैम्प ग्राम–अमावाँ, वि0खण्ड–बछरावा, जिला रायबरेली में दि0 03.12.2022 को आयोजित हुआ, जिसमें 105 अदद कम्बल वितरित किये गये।
3. तीसरा कैम्प जनपद–लखनऊ, विकासखण्ड–बख्शी का तालाब के ग्राम–विश्रामपुर में दि0 19.12.2022 को आयोजित किया गया, जिसमें 101 कम्बलों का वितरण किया गया।
4. चतुर्थ कैम्प ग्राम तेजवापुर जिला–बाराबंकी में दिनांक 25.12.2022 को आयोजित किया गया जिसमें 94 अदद कम्बल वितरित किये गये।
5. पांचवां कैम्प दिनांक 08.01.2023 को जनपद लखनऊ की ग्राम सभा– भगौतीपुर में आयोजित किया गया, जिसमें 95 अदद कम्बल वितरित किये गये।
6. छठा कैम्प जनपद–सीतापुर, विकासखण्ड बिसवां के ग्राम–हरसिंगपुर में दिनांक 13.01.2023 को आयोजित किया गया, जिसमें 104 अदद कम्बल वितरित किये गये।
7. सप्तम् शिविर दि0 14.01.2023 को राजकीय दृष्टि बाधित इण्टर कालेज बुद्धेश्वर में आयोजित किया गया है, जिसमें खिचड़ी बनाने का सामान तथा नास्ता दिया गया है।
8. दिनांक 20.01.2023 को जनपद लखनऊ, वि0खण्ड–बख्शी का तालाब के ग्राम मझोरिया में आयोजित किया गया, जिसमें 91 अदद कम्बल वितरित किये गये।
9. नवम् शिविर दि0 12.02.2023 को ग्राम हरौनी, विकास खण्ड हसनगंज जिला उन्नाव में आयोजित हुआ, जिसमें 83 अदद कम्बल वितरित किये गये।
10. दशम् शिविर दि0 19.02.2023 को ग्राम मानपुर लाला, वि0ख0 बख्शी का तालाब, लखनऊ में सम्पन्न हुआ, जिसमें 84 नये कम्बल वितरित किये गये।
11. ग्यारहवाँ अंतिम शिविर माँ चन्द्रिका देवी परिसर (कठवारा) में सम्पन्न हुआ, जिसमें महिलओं को 39 नये कार्डिगन एवं 5 कम्बल वितरित किये गये।

स्थूल अनुमान के अनुसार इस योजना में रू. 2,45,000.00 का व्यय हुआ।

- समिति के त्रैमासिक मुखपत्र **भावना संदेश** का सम्पादन मार्च, 2002 से नियमित रूप से किया जा रहा हैं तथ इसके माध्यम से समिति की गतिविधियों की जानकारी तथा शासन द्वारा समय–समय पर निर्गत शासनादेश तथा योजनाओं की जानकारी सदस्यों को उपलब्ध करायी जाती है। **भावना– संदेश** में सम–सामयिक, साहित्यिक, आध्यात्मिक एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी रचनाओं का प्रकाशन भी होता है। डिजिटाइजेशन को बढ़ावा देने के उद्वेश्य से **भावना–संदेश** त्रैमासिक पत्रिका की पी.डी.एफ. प्रति नियमित रूप से **भावना** की वेबसाइट तथा वाट्सअप पर उपलब्ध करायी जाती है।

इसके अतिरिक्त **भावना** अपने सदस्यों द्वारा रचित कई पुस्तकों–पुस्तिकाओं का प्रकाशन भी करा चुकी है। इसमे **भावना** के पूर्व प्रधान सम्पादक स्वर्गीय धर्मवीर सिंह की तीन पुस्तकें, सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ठ के सदस्य, श्री उदय भान पाण्डेय की एक पुस्तक, डॉ नरेन्द्र देव की एक पुस्तक तथा **भावना–संदेश** के वर्तमान प्रधान सम्पादक श्री अमर नाथ द्वारा पिछले वर्ष रचित तीन पुस्तकें खट्टी–मीठी, दोहा–गाथा तथ गायन्ति–देवाः–किल–गीतकानि उल्लेखनीय है।

- विगत दो वर्षो से कोरोना महामारी के कारण अनौपचारिक शिक्षण योजना का कार्य अस्थाई रूप से रूका हुआ था जिसे माह अगस्त 2022 से पुनः रतन खण्ड, शारदा नगर, स्थित सन्त गाडगे जलाशय पार्क में आरम्भ किया गया। इस शिक्षण केन्द्र के संचालन का दायित्व भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति की 18 मई 2022 की प्रबंधकारिणी समिति की बैठक में हुए निर्णय के अनुसार अपनी देखरेख में ले लिया गया जिसके लिए एक प्रकोष्ठ

का गठन किया गया। इस प्रकोष्ठ के संयोजक सचिव श्री सतपाल सिंह हैं। इसके आचार्य श्री अयोध्या प्रसाद तथा शिक्षिका श्रीमती कामाक्षी गौतम है जिन्हें प्रतिमाह रू0 3000.00 का मानदेय भावना द्वारा दिया जा रहा है। इस केन्द्र में 50 से अधिक बच्चों को आरम्भिक शिक्षण ज्ञान दिया जा रहा है व सफाई, स्वास्थ्य व अच्छे संस्कारों के सम्बन्ध में उन्हें जागरूक भी किया जा रहा है। शिक्षण केन्द्र में 15 अगस्त 2022 को स्वतंत्रता दिवस मनाया गया जिसमें ध्वजारोहण भावना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री वी0के0 शुक्ला द्वारा किया गया। भावना के निर्धन जन सेवा कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 26.11.2022 को शिक्षण केन्द्र में पढ़ रहे बच्चों को ऊनी स्वेटर व टोपी वितरित की गयी साथ ही भावना के निर्धन जन सेवा प्रकोष्ठ द्वारा उन बच्चों के माता पिता को एक–एक ऊनी कम्बल भी प्रदानप किया गया। इस अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र की अध्यापिका श्रीमती कमाक्षी गौतम को ऊनी शाल और कम्बल तथा आचार्य अयोध्या प्रसाद को भी ऊनी स्वेटर, टोपी और कम्बल दिया गया। दिनांक 22.12.2022 को अनौपचारिक शिक्षण केन्द्र में बच्चों को उपहार वितरित किये गये।

- वृद्धावस्था में संयुक्त परिवार में सम्मान के साथ रहते हुए व अस्वस्थ होने पर बच्चों एवं पोते पोतियों द्वारा उचित देखभाल, वृद्धजन के लिए एक सुखद अनुभूति है। हम यह कामना करते है कि प्रत्येक वृद्धजन को यह सुखद अनुभूति अवश्य प्राप्त हो।

लेकिन यह देखने में आया है कि बच्चों के हाईप्रोफाइल कैरियर की अपेक्षा लिये माता पिता अपने बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु विदेश/दूर दराज स्थानों पर भेज देते है। अध्ययन के पश्चात् अच्छी नौकरी मिलने पर प्रायः बच्चे वहीं स्थापित हो जाते हैं। इसके अलावा कभी–कभी वैचारिक मतभेदों के कारण भी वृद्धजनों को अपने बच्चों से अलग रहना पड़ता है।

इन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए **भावना** ने दिल्ली एनसीआर में आवेदन कर यमुना एक्सप्रेस वे इण्डस्ट्रियल डेवलेपमेंट अथारिटी (YEIDA) में 3250 वर्गमीटर का एक विकसित भूखण्ड आवंटित कराया है तथा यहाँ पर वृद्धजनों के सम्मानजनक खुशहाल व सामुदायिक जीवन के लिए एक अत्याधुनिक "भावना हैप्पी होम फार एल्डर्स" योजना को क्रियान्वित किया जा रहा है। इस योजना में अधिकतम 192 बुजुर्गों (96 Couples) के आवास की व्यवस्था की जा रही है। यहाँ डे केयर सेन्टर 4 बिस्तर वाला अस्पताल, फार्मेसी, फिजियोथेरेपी, बैंक एटीएम, योग सेन्टर आदि की व्यवस्था प्रस्तावित है तथा ऊपरी मंजिलों पर देखभाल करने वालों की 24×7 उपलब्धता के साथ पूरी तरह से सुसज्जित आवासीय इकाइयों के निर्माण की योजना भी है।

इस भूखण्ड के समीप में ही शॉपिंग माल एवं पार्क आदि की सुविधा उपलब्ध है तथा समीप ही लगभग 15 किमी0 दूरी पर निर्माणाधीन अन्तराष्ट्रीय एयरपोर्ट जेवर है जो भविष्य में मेट्रो द्वारा जोड़ा जाएगा।

इस भूखण्ड के समीप में हीं शॉपिंग माल एवं पार्क आदि की सुविधा उपलब्ध है तथा समीप ही लगभग 15 किमी0 दूरी पर निर्माणाधीन अन्तराष्ट्रीय एयरपोर्ट जेवर है जो भविष्य में मेट्रो द्वारा जोड़ा जाएगा।

इस योजना के कार्यान्वयन हेतु सभी प्रारम्भिक व्यवस्थाओं का अनुमोदन प्राप्त किया जा चुका है तथा माननीय सदस्यों द्वारा स्थान बुक करने हेतु धनराशि दी जा रही है। आशा है कि योजना पर निर्माण कार्य इसी वर्ष अप्रैल मई माह तक प्रारम्भ कर दिया जायेगा।

9 अप्रैल 2022, शनिवार अष्टमी, के दिन इस हैपी होम का शिलान्यास एक भव्य समारोह के रूप में किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि माननीय डॉ0 महेश शर्मा, सांसद, लोक सभा तथा पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) थे।

सम्मानित सदस्यों से अपील है कि वे इस योजना का लाभ उठायें तथा योजना को सफल बनाने हेतु यथाशीघ्र अधिक से अधिक दान देने की कृपा करें। अवगत हो कि इस योजना हेतु दान दी गयी राशि आयकर अधिनियम की धारा 80जी के तहत छूट प्राप्त है।

- **पर्यावरण संरक्षण प्रकोष्ठ** संयोजक श्रीपाल प्रवीण तथा अन्य उत्साही सदस्यों द्वारा पर्यावरण संरक्षण के विविध कार्य किये गए। भारत विकास परिषद के सहयोग से प्रमुख महा सचिव श्री योगेन्द्र प्रताप सिंह के तकनीकी मार्गदर्शन में नगर के तीन विभिन्न स्थानों पर पौध रोपण कार्य किया गया। सदैव की भांति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से अग्निहोत्र यज्ञ, पॉलीथीन प्रयोग पर अंकुश एवं अन्य उपयोगी संदेशों को लोगों तक पहुँचाने का प्रयास किया गया।
- भारतीय वरिष्ठ नागरिक समिति की दिनांक 30.01.2022 को आयोजित प्रबन्धकारिणी की बैठक व 22वें महाधिवेशन में संस्था का अपना कार्यालय भवन निर्माण करने अथवा निर्मित भवन क्रय करने की योजना का संकल्प लिया गया था। इस कार्य हेतु भावना के 9 सदस्यों द्वारा रू0 15.00 लाख के सहयोग की घोषणा की गई थी और न्यायमूर्ति श्री कमलेश्वर नाथ व श्री सतपाल सिंह द्वारा घोषित 2–2 लाख रूपये का सहयोग दिया जा चुका है। अन्य अनेकों सदस्यों द्वारा भी सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया गया है। भावना द्वारा इस सम्बन्ध में श्री मनोज कुमार गोयल की अध्यक्षता में एक समिति का गठन भी किया गया था जिसके द्वारा दी गई रिपोर्ट पर दिनांक 04.09.2022 की कार्यकारिणी की बैठक में यह तय किया गया कि इस संदर्भ में अन्तिम निर्णय आगामी सामान्य बैठक में लिया जायेगा।

मान्यवर, यह निर्विवाद सत्य है कि किसी भी संस्था का अपना कार्यालय भवन होने से संस्था के क्रिया–कलापों को गति मिलने के साथ–साथ संस्था का अस्तित्व भी अक्षुण होता है। अतः प्रस्ताव विचारार्थ प्रस्तुत है।

- **सहयोग एवं सेवा कार्यक्रम** प्रकोष्ठ के अन्तर्गत लखनऊ नगर के भावना के सदस्यों से निरन्तर सम्पर्क बनाए रखते हुए समन्वय एवं सहयोग बनाए रखने का कार्य किया जाता है। सुविधा के लिए लखनऊ नगर को 10 जोन्स में विभाजित किया गया है तथा सम्बन्धित जोनल अधिकारी द्वारा अपने क्षेत्र में निवास करने वाले सदस्यों से निरन्तर सम्पर्क एवं सहयोग बनाए रखा जाता है। अशक्त एवं विधवा सदस्यों की देखरेख की जाती है।

इस प्रकोष्ठ द्वारा सदस्यों के जन्मदिवस, विवाह की वर्षगांठ आदि अवसर पर मंगल कामनाएँ प्रोषित की जाती हैं।

वयोवृद्ध सदस्य श्रीपाल प्रवीण तथा श्रीमती कमलेश पाल जी की दि0 14 अक्टूबर, 2022 को 60वीं वर्षगांठ पर शुभकामनाएं एवं सम्मान दिया गया। इसी प्रकार दिनांक 11 अक्टूबर 2022 को सम्माननीय सदस्य श्री एस0के0 शर्मा तथा श्रीमती शर्मा की गोल्डन जुबली के अवसर पर शुभकामनायें प्रेषित की गईं।

प्रकोष्ठ के संयोजक श्री राजदेव स्वर्णकार है जिनका सम्पर्क नं0 9450374814 है।

सुरक्षा ऐप 'सबेरा' (112) के अन्तर्गत लगभग 250 पंजीकरण भरवाकर वरिष्ठ नागरिक महासमिति को सौंपे गये। भावना की प्रकाशित होने वाली त्रैमासिक पत्रिका "भावना संदेश" का नियमित वितरण प्रकोष्ठ द्वारा करवाया जाता है।

- **वैकल्पिक चिकित्सा कार्यक्रम** के लखनऊ एवं उन्नाव में स्थित, इंजीनियरिंग, मेडिकल एवं पैरामेडिकल कॉलेज तथा इण्टर एवं डिग्री विद्यालयों के औडोटोरियमों में छात्र/छात्राओं, शिक्षकों, प्रधानाचार्यों आदि के मध्य "निरोगी जीवन जीने के सूत्रों" का संक्षिप्त विवरण दिया गया। छात्रों को मेमोरी बढ़ाने के सूत्र एवं अभ्यास भी कराये। शिक्षाप्रद 2000 लघु पुस्तकों का वितरण भी किया गया। आश्चर्य, संस्थाओं के सभी औडीटोरियम भरे मिले।

कोरोना अवधि में समग्र स्वास्थ्य के त्रिविध आयाम "जीवन शैली, ऐक्युप्रेशर, घरेलू उपचार" पर लिखी पुस्तक को भावना के 23वें (दि0 21.08.2022) स्थापना दिवस पर अध्यक्ष द्वारा परिचय कराने के बाद उसकी महत्ता एवं उपयोगिता बतायी गयी। पुस्तक में बिना दवाओं के निरोगी जीवन, ऐक्युप्रेशर अभ्यास, रोगी की पहिचान एवं आवश्यकता में आसानी से उपलब्ध सस्ती एवं प्रभावी दवायें आदि के अध्याय नयी जैनरेशन के लिए महत्वपूर्ण होगें। परिवार में पुस्तक अति लाभकारी होगी।

- **भावना समर्थित प्रसादम सेवा योजना** का संचालन भावना की संस्थागत सदस्य विजय श्री फाउंडेशन द्वारा किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न अस्पतालों में भर्ती गरीब मरीजों के तीमारदारों को दोपहर का भोजन निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है। कोरोना काल से पूर्व यह सेवा लखनऊ के मेडिकल कॉलेज, बलरामपुर अस्पताल एवं लोहिया अस्पताल में उपलब्ध कराई जा रहीं थी एवं प्रतिदिन लगभग 750 तीमारदार इस योजना का लाभ उठा रहे थे।

मान्यवर, विजयश्री फाउंटेशन के श्री विशाल सिंह जी की कार्य के प्रति निष्ठा एवं प्रतिबध्ता को देखते हुए भावना ने इस योजना को अंगीकार कर यथासंभव भौतिक एवं आर्थिक सहायता देने का संकल्प लिया तथा अपनी संस्था के एक प्रकोष्ठ को ही इस योजना के लिए विजयश्री फाउंडेशन को सहायता देने हेतु सम्बद्ध कर लिया। भावना के सदस्य इस कार्य में सहयोग प्रदान करते हैं।

कोविड महामारी के पहले एवं दूसरे चरण में विजयश्री फाउंडेशन द्वारा लगभग 7.50 लाख लोगों को भोजन, कच्चा राशन, मास्क, दूध, पानी, बिस्कुट, ऑक्सीजन सिलेंडर आदि देकर सेवा की उत्तम मिसाल कायम की।

कोविड काल के पश्चात कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए गरीब तीमारदारों को लोहिया अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज में प्लेट में भोजन देकर सेवा की गयी। वर्ष 2022 के अंत में पुनः तीमारदारों को बैठाकर पूर्व की भांति भोजन देना आरंभ कर दिया है। वर्तमान में लगभग 500 तीमारदार इस सेवा का लाभ उठा रहे हैं।

रैन बसेरा योजना के अंतर्गत विजयश्री फाउंडेशन द्वारा अपनी रैन बसेरा सेवा का विस्तार किया है। वर्तमान में 7 रैन बसेरों में लगभग 450 तीमारदार इस सेवा का लाभ उठा रहे हैं।

विजयश्री फाउंडेशन द्वारा अपनी सहयोगी संस्था **सेवा पथ** के माध्यम से साथी वरिष्ठ नागरिकों एवं जन समस्याओं पर सार्थक विचारों के आदान प्रदान हेतु विशेष तौर पर वरिष्ठ नागरिकों को कनेक्ट करने एवं उनके विचारों का आदान प्रदान करने के लिए **यूट्यूब पर सेवा पथ न्यूज़ चैनल** आरम्भ कर दिया है। विगत कुछ समय पूर्व इस चैनल पर भावना के अध्यक्ष महोदय का साक्षात्कार प्रसारित किया गया था।

निकट भविष्य में संस्था द्वारा सुशांत गोल्फ सिटी, लखनऊ में दादा दादी आश्रम खोले जाने की योजना है।

- **भ्रमण कार्यक्रम** के अंतर्गत समिति के 16 सम्माननीय सदस्यों द्वारा 15 से 18 सितम्बर–22 तक गोवा भ्रमण किया गया। इसी मध्य इण्डियन सोसाइटी ऑफ U3As द्वारा

आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में भाग लिया गया। **भावना** की सम्मानित सदस्य प्रो0 अवनीश अग्रवाल द्वारा **"सीनियर सिटिजन कन्ट्रीब्यूशन फार सोसाइटी वेलफेयर"** विषय पर एक अध्ययन पत्र प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुतीकरण सराहनीय रहा।

- 26 मार्च, 2022 को पी0डब्लू0डी0 डिप्लोमा इन्जीनियर्स संघ प्रेक्षाग्रह में होली मिलन समारोह धूमधाम से मनाया गया। सांस्कृतिक कार्य प्रकोष्ट द्वारा आयोजित समारोह में माननीय सदस्यों द्वारा होलीगीत एवं अन्य कविताएँ प्रस्तुत की गईं।
- **भावना** के सम्मानित सदस्यों को विश्वसनीय एवं सस्ती स्वास्थ सेवाएँ सुलभ कराने के उद्देश्य से विभिन्न अस्पतालों/चिकित्सकों के साथ दीर्घकालीन अनुबन्ध किए गये हैं। आस्था वृद्ध रोग चिकित्सालय, अवध मल्टी स्पेशियेलटी हॉस्पिटल, सुधा डेन्टल क्नीनिक तथा स्वास्थ्य एवं जड़ी बूटी विकास संस्थान द्वारा नगण्य दरों पर चिकित्सा सुविधा एवं औषधियाँ सदस्यों को उपलब्ध कराई जाती हैं।
- **अति वरिष्ठ सदस्यों का सार्वजनिक अभिनन्दन : भावना** के प्रत्येक वार्षिक महाधिवेशन के अवसर पर उस समय तक 80 वर्ष तथा अधिक आयु प्राप्त कर चुके सदस्यों को विशेष रूप से आमंत्रित करके उनका सार्वजनिक अभिनन्दन किया जाता है तथा उनके स्वस्थ रहेते हुए दीर्घायु की कामना की जाती है। आज इस महाधिवेशन में भी ऐसे सदस्यों को आमंत्रित किया गया है। उनमें से उपस्थित सदस्यों का अभिनन्दन करते हुए हमें अपार हर्ष का अनुभव हो रहा है।
- **भावना के संवैधानिक दायित्व** नियमावली के अनुसार प्रति वर्ष **भावना** की प्रबन्धकारिणी की चार बैठकें सम्पन्न की गई हैं। **भावना** की वार्षिक आम सभा की बैठक (वार्षिक महाधिवेशन) हर वर्ष निर्धारित समय पर आयोजित होती चली आ रही है।
- **भावना** के आय–व्यय का वार्षिक लेखा (Balance Sheet) नियमानुसार समय से सम्प्रेक्षक एवं चार्टर्ड एकाउन्टेंट से प्रमाणित कराया जाता है तथा आयकर रिटर्न भी हर वर्ष समय से जमा किया जाता है।
- **भावना** के प्रत्येक लेखा वर्ष हेतु प्रस्तावित आय–व्यय का बजट वार्षिक आम सभा में प्रस्तुत करके अनुमोदित कराया जाता है।
- **भावना** के प्रत्येक लेखा वर्ष हेतु प्रस्तावित कार्य योजना वार्षिक आम सभा में प्रस्तुत करके अनुमोदित कराई जाती है। गत वार्षिक आम सभा द्वारा अनुमोदित वर्तमान लेखा वर्ष की कार्य योजना की प्रगति के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि जिन योजनाओं/कार्यक्रमों को जारी रखने का संकल्प लिया गया था उन पर प्रभावी कार्यवाही करके जारी रखा गया है और आगे भी जारी रखा जायेगा। विस्तृत आर्थिक स्थिति पृथक से संबंधित अधिकारी द्वारा प्रस्तुत की जायेगी।

- समिति के विशिष्ट सदस्य श्री सुरेश चन्द्र शुक्ल को गांधीनगर, गुजरात में आयोजित राष्ट्रीय आम महोत्सव में गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल द्वारा पुरस्कृत किया गया। श्री शुक्ल आम की करीब 350 प्रजातियाँ पैदा कर रहे हैं। **भावना** को श्री शुक्ल की उपलब्धियों पर गर्व है।

इस मध्य कई सम्मानित आजीवन/विशिष्ट सदस्य हमें छोड़कर ईश्वरधाम चले गये। स्व0 गायत्री अग्रवाल दि0 12.02.2023, स्व0 मंजू त्रिवेदी दि0 05.02.2023, स्व0 बेनी प्रसाद कुरील दि0 24.01.2023, स्व0 डॉ0 प्रहलाद किशोर सेठ दि0 22.12.2022, श्री रवीन्द्र कुमार सक्सेना दि0 30.11.2022, स्व0 राजेन्द्र प्रसाद दि0 26.04.2022 तथा श्रीमती

राधारानी दि0 07.04.2022 का निधन हो गया। छूट गये साथियों को हम श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

अभी कुछ देर बाद ही समिति की साधारण सभा की बैठक का आंतरिक सत्र प्रारम्भ होगा। उस सत्र में महासचिव (प्रशासन), महासचिव (कार्यान्वयन) तथा महासचिव (एडवोकेसी) समिति के भावी कार्यक्रमों के विषय में आपसे अवश्य ही चर्चा करेंगे। मैं अपनी ओर से मात्र इतना ही और कहना चाहता हूँ कि आपके हित के तथा आपके माध्यम से समाज के कमजोर वर्ग के हित के तमाम कार्य करने के लिए प्रबन्धकारिणी को आपका सर्वांगीण सक्रिय सहयोग मिलना परम आवश्यक है। तभी हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकेंगे, तभी हम पुनः नये लक्ष्य निर्धारित कर सकेंगे, तभी हम यह सिलसिला लगातार जारी रख सकेंगे, तभी हम समिति को तथा समिति के सदस्यों को उत्तरोत्तर प्रगति–पथ पर ले जा सकेंगें, तभी हम समिति की पहचान राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर बनाए रखने में सफल होंगे। प्रबन्धकारिणी को आपका आशीर्वाद, आपकी शुभकामनायें, आपका सहयोग एवं समिति के दृष्टिकोण तथा उद्देश्यों के प्रति आपका समर्पण, सभी कुछ आवश्यक है।

वर्तमान सत्र में जो सहयोग माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष महोदय एवं माननीय उपाध्यक्ष महोदयों से मुझे तथा महासचिव (प्रशासन), महासचिव (कार्यान्वयन) तथा महासचिव (एडवोकेसी) को प्राप्त हुआ है उसके लिए मुझ सहित तीनों महासचिव उनके अत्यंत आभारी हैं। समय–समय पर उनके द्वारा दिए गए दिशा–निर्देशों एवं परामर्शों से ही हम लोग अपने दायित्वों का निर्वहन कर सके। हम लोग चारों उपमहासचिवों, कोषाध्यक्ष ज़ी, सह–कोषाध्यक्ष जी, सम्प्रेक्षक जी तथा प्रबन्धकारिणी के सभी अन्य सदस्यों के भी हृदय से आभारी हैं। उनके सहयोग से ही हम अपने कर्त्तव्यों का पालन कर सके। मैं अपनी ओर से तथा तीनों महासचिवों की ओर से समिति के सभी सदस्यों के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके सहयोग से ही हम लोगों को अपने–अपने कार्यों को निस्तारित करने का हौसला प्रदान किया है। मान्यवर, समिति की उपलब्धियाँ आप सबके सहयोग तथा माननीय अध्यक्ष महोदय, माननीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष महोदय एवं माननीय उपाध्यक्ष महोदयों के कुशल निर्देशन में समिति के पदाधिकारियों के सम्मिलित प्रयासों से ही संभव हो सकी है।

ऋतुराज वसंत का वर्तमान समय आप में नव–उमंग भर दे, आगामी होली का पर्व आप सभी को, परिजनों, बन्धु–बान्धवों तथा इष्ट मित्रों सहित सब प्रकार से कल्याणकारी हों, इस मंगल कामना के साथ, एक बार पुनः आपके आगमन हेतु आपको बहुत–बहुत धन्यवाद।

जय भावना, जय भारत।

(योगेन्द्र प्रताप सिंह)
प्रमुख महासचिव